Roll No. .....

CD–2091

B. A./B. A. B. Ed. (Part I)
EXAMINATION, 2020

(Old Course)

(Foundation Course)

Paper First

HINDI LANGUAGE

Time : Three Hours

Maximum Marks : 75

Minimum Pass Marks : 26

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अंक उनके सामने निर्दिष्ट हैं।

1. (क) पल्लवन को परिभाषित करते हुए उसकी उपयोगिता स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

निम्नलिखित में से किसी एक का पल्लवन कीजिए :

(i) साहित्य समाज का दर्पण है।

(ii) वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

(ख) थानेदार को पत्र लिखकर साइबर अपराध के प्रति सतर्कता बरतने का आग्रह कीजिए। 5

अथवा

एक अच्छे अनुवाद की विशेषताएँ लिखिए।

(ग) निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों मे से किन्हीं पाँच के हिन्दी रूप लिखिए : 5

(i) Demonstrator
(ii) Anesthesia
(iii) Accountant General
(iv) Computer
(v) Lower Division Clerk
(vi) Forest Officer
(vii) Stay
(viii) Evidence

2. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** मुहावरों एवं लोकोक्तियों के अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए : 4

(i) आँखों में खून उतरना
(ii) गूलर का फूल होना
(iii) छाती पर साँप लोटना
(iv) पापड़ बेलना
(v) लोहे के चने चबाना
(vi) काला अक्षर भैंस बराबर
(vii) दीया तले अँधेरा

(ख) निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए (कोई चार) : 4

(i) असाढ़
(ii) उज्जवल
(iii) कवियत्री
(iv) पूज्यनीय
(v) व्यवहारिक
(vi) शारिरिक
(vii) स्वास्थ

(ग) निम्नलिखित के विलोम शब्द लिखिए (कोई चार) : 4

(i) सजल
(ii) हास्य
(iii) क्षणिक
(iv) महात्मा
(v) नूतन
(vi) तिमिर
(vii) कृत्रिम

(घ) निम्नलिखित शब्दों के **तीन-तीन** पर्यायवाची शब्द लिखिए (कोई **तीन**) : 3

(i) अग्नि
(ii) गंगा
(iii) पृथ्वी
(iv) स्त्री
(v) तालाब
(vi) मित्र

3. (क) देवनागरी को आदर्श लिपि क्यों माना जाता है ? विवेचना कीजिए। 8

अथवा

नागरी लिपि के प्रारम्भिक स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए नागरी लिपि की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) मानक भाषा, अमानक भाषा एवं उपमानक भाषा को समझाइए। 7

अथवा

मानक भाषा का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके लक्षणों को उदाहरण सहित लिखिए।

4. (क) कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के अनुप्रयोग पर एक सारगर्भित निबन्ध लिखिए। 8

अथवा

इंटरनेट के क्षेत्र में हिन्दी भाषा के बढ़ते प्रयोग पर प्रकाश डालिए।

(ख) निम्नलिखित अंग्रेजी पदनामों के हिन्दी रूप लिखिए (कोई सात) : 7

(i) Joint Secretary

(ii) Peon

(iii) Senior

(iv) Treasurer

(v) Vice Chancellor

(vi) Engineer

(vii) Inspector General

(viii) Constable

(ix) Driver

(x) Convener

5. (क) संक्षेपण का महत्व बताते हुए संक्षेपण विधि पर प्रकाश डालिए। 5

(ख) निम्नांकित गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए एवं इसका सारांश लगभग एक-तिहाई भाग में लिखिए : 10

अनादिकाल से मनुष्य एक चिरंतन आदर्श की खोज कर रहा है। अपने जीवन की एक अवस्था में, जिसे वह सत्य का पूर्णरूप समझकर ग्रहण करता है, उसी को जीवन की दूसरी अवस्था में त्याज्य समझता है। जीवन की अपूर्णावस्था में सत्य का पूर्ण कैसे उपलब्ध हो सकता है। फिर मनुष्य जीवन की सार्थकता किसमें है ? योरोप के प्रसिद्ध तत्ववेत्ता रूसो

का कथन है कि मनुष्य को सदा मनुष्य ही होना चाहिए यही उसका पहला कर्तव्य है। सभी अवस्थाओं में संसार के साथ मनुष्य को मनुष्योचित व्यवहार करना चाहिए। स्वभाव से मनुष्य न तो धनी है, न कुलीन। जन्म के समय सभी निःस्व, निःसहाय होते हैं। अपने जीवन में सभी को दुःख-सुख और आशा-निराशा का अनुभव करना पड़ता है, सभी मृत्यु के वंश में हैं। यही मनुष्य की अवस्था है। यही मनुष्य का मनुष्यत्व है। मनुष्य स्वभाव से दुर्बल होता है। इसी से वह समाज का संगठन करता है। अभाव के कष्ट और अपूर्णता की वेदना ने हमें मनुष्य बनाया है। जिसने कभी दुःख का अनुभव नहीं किया, वह कभी दूसरों के दुःख नहीं समझ सकता। हमारी पूर्णता ही हमारे आनन्द का एक बड़ा कारण है। जब हम कभी अपनी पूर्णता का अनुभव करते हैं, तभी हमें चाह होती है। जिसे किसी की चाह नहीं है, जो किसी अभाव का अनुभव नहीं करता, वह प्रेम नहीं कर सकता। जिसके हृदय में प्रेम नहीं है, वह क्या कभी सुखी हो सकता है ?